इस मास में विशेषः साधना दीक्षा

कायाकल्प कवच प्रयोग

26 दिसम्बर, सफला एकादशी

पुरातन काल से ही मनुष्य की एक प्रमुख महत्त्वाकांक्षा यह रही है, कि वह किसी प्रकार से चिर यौवनवान बना रह सके, वृद्धता को टाल सके। इसीलिये आप यौवनवान बने रहने के लिये अनेक उपाय करते हैं, फिर भी निश्चिन्त नहीं हो पाते। इस प्रयोग को सम्पन्न कर आप पूर्ण निश्चिन्त हो जायेंगे, क्योंकि यह प्रयोग बुढ़ापे को भी यौवन में बदलने में सक्षम, समर्थ एवं अनुपम है।

आरोग्य शक्ति साधना

30 दिसम्बर, सोमवती अमावस्या

अमावस्या को अध्यात्मिक एवं दिव्य अनुभूतियों के लिये श्रेष्ठ माना गया है, इस दिन चन्द्र, सूर्य के अन्दर विलीन होता है, चन्द्र की तरंगें सूर्य की तरंगों में समाहित होती हैं। इस शक्ति को अपने अन्दर निहित करने से हमारा शरीर शुद्ध, पवित्र, दोष रहित होकर हमारे मन को भी स्वस्थता प्रदान करने में सक्षम होता है। यह शक्ति ग्रहण कर व्यक्ति अपने आन्तरिक विकारों को समाप्त कर बल, ओज, दृढ़ता, यौवन सभी से युक्त होता है, और उसके शारीरिक व मानसिक दोनों प्रकार के दुःखों का हरण होता है, जिससे सांसारिक दुःखों से पीड़ित एवं संत्रस्त मन को शांति व तृप्ति मिलती है।

सिद्धि विनायक साधना

03 जनवरी, विनायक चतुर्थी

साधक अपनी किसी भी मनोकामना की पूर्ति हेतु, चाहे वह घर से सम्बन्धित हो या व्यापार से सम्बन्धित या अन्य किसी प्रकार की मनोकामना, यदि वह संकल्प लेकर यह साधना करता है, तो वह अवश्य ही सफल होता है। सिद्धि विनायक की साधना वह फलप्रद उपाय है, जिसके द्वारा साधक अपनी मनोकामना पूर्ण कर ही लेता है।

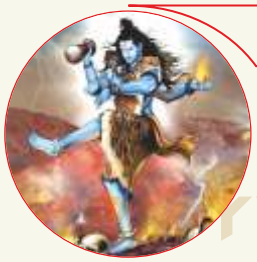

काल ज्ञान सिद्धि साधना

11 जनवरी, प्रदोष व्रत

मनुष्य चाहे तो अपने सम्पूर्ण जीवन काल में कालजयी बन कर रह सकता है। यदि उसे भूत-भविष्य का ज्ञान हो जाये, तो वह उसके अनुसार अपने जीवन को दिशा प्रदान कर सकता है। वर्तमान में ही सावधान होकर अपने कार्यों को सफलता पूर्वक सिद्ध कर सकता है तथा भविष्य में आने वाली विपदाओं से, परेशानियों से बच सकता है।... और यह संभव है इस साधना के माध्यम से।

साधना एक **साधक** के जीवन का **अभिन्न अंग** है, जो साधक समय-समय पर स्वयं व सामूहिक रूप से साधना सम्पन्न करते हैं, वे सदैव **सद्गुरूदेव** के **हृदय** में एक **विशिष्ट स्थान** प्राप्त करते हैं। ये **विशिष्ट साधनायें** सम्पन्न करने के लिए **कैलाश सिद्धाश्रम** में सम्पर्क करें।